एन. पी. सी. सी. इनसाइट

NPCC Insight

Vol : I-II Issues : 05 - 07

नवम्बर 2006 – अप्रैल 2007

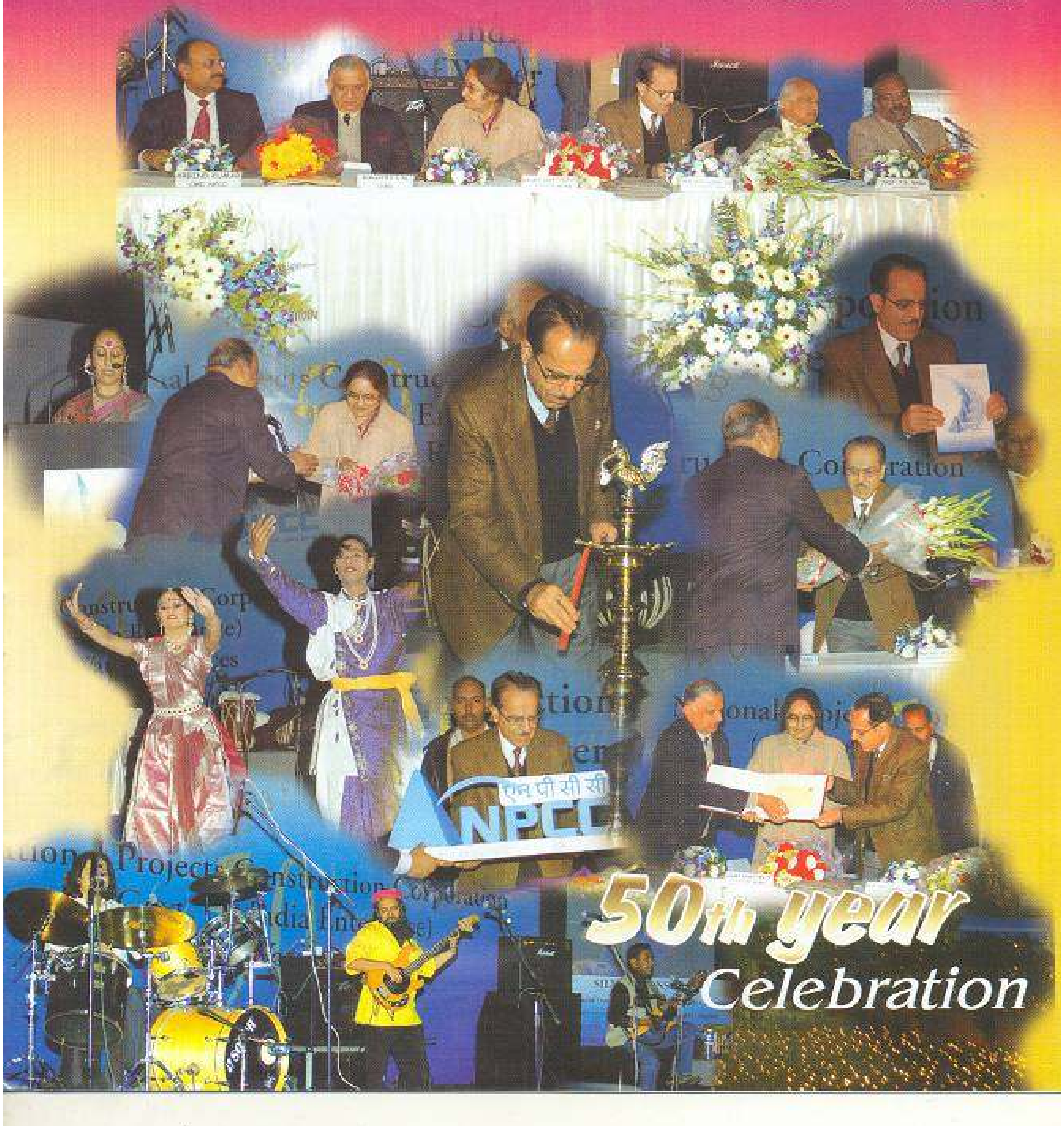

Heartiest Congratulations to Hon'ble Minister of Water Resources

The Management, all officers and staff of NPCC extend their warm and heartiest compliments and congratulate Hon'ble Minister of Water Resources, Prof. Soz on the occasion of eventful completion of one year. Prof. Soz, besides a seasoned politician, is an administrator, renowned educationist, writer, thinker and Scholar. Under his towering stewardship as Minister of Water Resources, not only the Nation through the Ministry has benefitted immensely, NPCC has also been able to turn-around with profit. NPCC hope and pray to continue to work under his able and dynamic guidance to touch greater heights.

स्वर्ण-जयन्ती समारोह की धूम

एनपीसीसी की स्थापना के पचास वर्ष पूरे होने अर्थात स्वर्ण-जयन्ती के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह 8 जनवरी 2007 को सुब्रतो पार्क, नई दिल्ली स्थित वायु सेना के सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जल संसाधन मंत्री प्रो० सैफुद्दीन सोज़ की उपस्थिति ने इस आयोजन को गरिमा प्रदान की। साथ ही, अन्य विशिष्ट अतिथियों में जल संसाधन सचिव श्रीमती गौरी चटर्जी तथा अपर सचिव श्री एस. मनोहरन, बी.आर.पी.एस.ई. के अध्यक्ष प्रो० पी.के. बसु, चीफ पोस्ट ज़नरल मास्टर श्री राघव लाल भी मंच पर विराजमान थे।

सर्वप्रथम, एनपीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अरविन्द कुमार द्वारा जल संसाधन मंत्री प्रो. सोज़ तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत उन्हें शॉल एवं पुष्प-गुच्छ भेंट कर किया गया। ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की भावपूर्ण आराधना कत्थक नृत्य के माध्यम से की गई। इसके पश्चात मंत्री जी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

स्मारिका का विमोचन

स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर एनपीसीसी द्वारा प्रकाशित स्मारिका (सोवनियर) का विमोचन जल संसाधन मंत्री द्वारा किया गया। इस स्मारिका में स्वर्ण जयन्ती वर्ष पर शुभकामना संदेश के साथ-साथ एनपीसीसी की गतिविधियों व विभिन्न विषयों पर तकनीकी लेख और रोचक सामग्री संकलित की गई है।

निगम के नए प्रतीक चिह्न (लोगो) तथा पोस्टल कवर का विमोचन

नवीनीकरण की प्रक्रिया के तहत एनपीसीसी प्रबन्धन द्वारा हाल ही में एनपीसीसी के प्रतीक चिह्न को बदल दिया गया है। नए लोगो का विमोचन स्वर्ण जयन्ती समारोह में जल संसाधन मंत्री

उत्साह मनुष्य की भाग्यशीलता का पैमाना है।

प्रो. सैफुद्दीन सोज़ द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट के बीच किया गया। एनपीसीसी की स्थापना के **50** वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डाक विभाग द्वारा एक विशेष आवरण (पोस्टल कवर) जारी किया गया जिसका विमोचन मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री राघव लाल के हाथों किया गया। इस पोस्टल कवर की एक एलबम माननीय मंत्री प्रो. सोज़ को भी स्मृति स्वरूप भेंट की गई।

गौरवशाली अतीत फिर से पाना होगा

एनपीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अरविन्द कुमार ने इस ऐतिहासिक अवसर पर निगम के प्रबन्धन की ओर से सभी उपस्थित व्यक्तियों का स्वागत करते हुए नववर्ष पर उन्हें अपनी बधाई दी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू का आधुनिक भारत के विकास हेतु परियोजनाओं का निर्माण करने के लिए एनपीसीसी की स्थापना का जो उद्देश्य था उसे विगत पाँच दशकों में निगम ने विद्युत, नदी घाटी, औद्योगिक संरचनाओं, भवन, सड़कों, पुलों आदि का गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निर्माण करके पूर्ण किया है। निगम की कार्यात्मक परियोजनाएं लद्दाख एवं कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तथा उत्तर पूर्वी राज्यों से लेकर गुजरात और राजस्थान तक फैली हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारी जन शक्ति तथा कुछ अन्य कारणों से एनपीसीसी पिछले 18 वर्षों तक घाटा करती रही जिसके कारण कम्पनी का ही नुकसान नहीं हुआ अपितु इसके कर्मचारियों का मनोबल भी काफी हद तक गिर चुका था।

घाटे से उबरकर मुनाफे की ओर बढ़ती निगम

वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा उदारीकरण के वर्तमान माहौल में मजबूत इरादों, वाणिज्यिक कौशल, संसाधनों के अधिकतम उपयोग, गुणवत्ता नियन्त्रण तथा व्यापार विकास के लिए विभिन्न रणनीतियों के द्वारा निगम की प्रचालन हानियों को कम करके इसकी कायापलट करने का प्रयास किया गया है। हर्ष का विषय है कि इन कोशिशों के परिणाम स्वरूप पिछले वित्त वर्ष में 71 करोड़ रूपए के घाटे से उबरकर एनपीसीसी ने 2.26 करोड़ रूपए का शुद्ध मुनाफा कमाया है जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के इतिहास में एक रिकार्ड है। सीएमडी ने जोर देकर कहा कि नई कार्य संस्कृति के इस दौर में हमारा पूरा ध्यान परियोजना प्रबन्धन परामर्शी (पीएमसी) सार्वजनिक प्राइवेट भागीदारी (पीपीपी) तथा पारदर्शिता को बढ़ाने पर है। सीएमडी के प्रस्ताव पर एनपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक सर्वश्री अमरनाथ झा तथा एस.के. दास को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जल संसाधन सचिव की शुभकामनायें

जल संसाधन सचिव श्रीमती गौरी चटर्जी ने अपने संक्षिप्त मगर भावपूर्ण वकतव्य में कहा कि एनपीसीसी राष्ट्रीय और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए निर्माण कार्यों को सम्पन्न करने में लगी हुई है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को शुभकामनायें देते हुए सभी को एक साथ मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।
(सचिव महोदया का भाषण इसी अंक में अलग से दिया गया है)

वैश्विक अर्थव्यवस्था में पीएसयूज की भूमिका महत्वपूर्ण

सार्वजनिक उद्यम पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआरपीएसई) के अध्यक्ष प्रो० पी.के. बसु ने समारोह में बोलते हुए कई तथ्यात्मक जानकारियां वैश्विक अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका के विषय में दीं। जापान, फ्रांस के विकास में पीएसयूज के महत्वपूर्ण योगदान की

जिसे पराजित होने का भय है, उसकी हार निश्चित है।

चर्चा करते हुए प्रो० बसु ने खुलासा किया कि चीन में हजारों सार्वजनिक उद्यम हैं जिनका नियन्त्रण केन्द्रीय स्तर पर रखा जाता है। प्रो० बसु ने सीएमडी श्री अरविन्द कुमार को एनपीसीसी की वर्तमान मैराथन टीम के नायक की संज्ञा दी तथा उन्हें इस बात की बधाई दी कि 18 वर्षों तक घाटा करने वाली एनपीसीसी ने 2.26 करोड़ रूपए का लाभ अर्जित कर यह साबित कर दिया है कि इसमें आगे बढ़ने की भरपूर क्षमता मौजूद है। उन्होंने आह्वान किया कि कारोबार और उत्पादकता बढ़ने पर लाभ की मात्रा भी बढ़ेगी जिसके लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

अधिकारों के साथ कर्त्तव्यपालन भी जरूरी

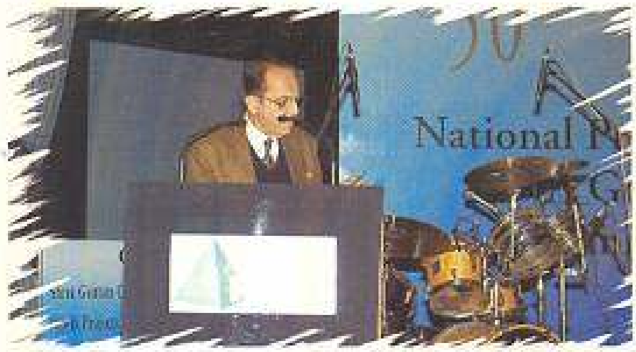

इसके उपरांत समारोह के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री प्रो० सैफुद्दीन सोज को अपना वक्तव्य रखने के लिए आमंत्रित किया गया। लीक से हटकर प्रो० सोज़ ने पूर्व लिखित भाषण नहीं पढ़ा बल्कि खुले तौर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आपने एनपीसीसी के सीएमडी द्वारा अनुशासन कायम करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश में प्रजातन्त्र है तथा कर्मचारी संघों द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं के बारे में बातचीत करने के लिए हमें अपने दरवाजे खुले रखने होते हैं परन्तु सदैव उन्हें मांग ही नहीं करते रहना चाहिए बल्कि राष्ट्र को उन्हें भी कुछ देना होगा। निगम के पुनरूद्धार के विषय में आपने कहा कि एनपीसीसी को बंद किए जाने का प्रस्ताव भी आया था तथा संभावनाऐं भी ऐसी थी किन्तु कुछ लोगों की राय थी कि इसका पुनरूद्धार संभव है तथा मैं भी इसके पुनरूद्धार के पक्ष में हूँ। जल संसाधन, सचिव श्रीमती गौरी चटर्जी और प्रोफेसर बसु द्वारा व्यक्त इस आशा से मैं सहमत हूँ कि यह निगम चलेगी। आपने मार्मिक शब्दों में कहा "आपको तो रोटी इसी से मिलती है। जिस दुकान में आप सामान को कम करते जायेंगे वो दुकान खत्म हो जाएगी, बंद हो जाएगी।"

मंत्रीजी ने एनपीसीसी कर्मियों का आह्वान किया कि वे समय पर आऐं, काम करें, मशीनें चलाऐं। प्रजातंत्र का अर्थ अनुशासनहीनता नहीं है। उन्होंने गतवर्ष एनपीसीसी द्वारा दो करोड़ रूपए से अधिक लाभार्जन को अच्छी स्थिति करार दिया तथा इसे और बढ़ाए जाने पर ज़ोर दिया। स्वर्ण जयन्ती समारोह आयोजित करने पर सीएमडी को बधाई देते हुए आपने आशा व्यक्त की कि एनपीसीसी न केवल पुनरूद्धार कर पाने के अपने अभियान में सफल होगी अपितु एक लाभ कमाने वाली निगम भी बन सकेगी।

(मंत्री महोदय का भाषण इसी अंक में अलग से दिया गया है)

विगत समय में एनपीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक रहे सर्वश्री अमरनाथ झा तथा एस.के. दास को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। मंच पर आसीन अतिथियों को सीएमडी महोदय द्वारा इस सुअवसर पर स्मृति स्वरूप विशेष उपहार भी भेंट किए गए।

अंत में, एनपीओए के महासचिव श्री ऋषिपाल सिंह ने विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ वायु सेना के अधिकारियों का उनके द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके पश्चात दर्शकों के लिए एनपीसीसी की 50 वर्षों की प्रगति यात्रा को दर्शाने वाले वृत चित्र को प्रदर्शित किया गया। स्वर्ण जयन्ती समारोह का समापन सुप्रसिद्ध बैंड "इंडियन ओशन" के कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति के साथ हुआ। मनोरंजन के पश्चात सुरूचिपूर्ण रात्रिभोज की भी व्यवस्था की गई थी। कुल मिलाकर कहा जाए तो स्वर्ण जयन्ती समारोह की यह शाम यादगार रही।

वसंत कुंज और डीएसआईडीसी यूनिट नई दिल्ली सहित अन्य

यूनिटों में भी निगम का स्थापना दिवस मनाये जाने के समाचार प्राप्त हुऐ हैं।

जो समय नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर डालता है।

MOWR's Message : Let NPCC's Story be Comparable to Success Stories all over India

The Hon'ble Minister at the outset while referring to the speeches made by the earlier speakers, praised Prof. Basu for a wonderful speech and requested CMD, NPCC to provide him a copy of his speech to understand his point of view in a better way. He then referred to the speech of Secretary, MOWR Mrs. Gauri Chatterji where she generated hope that the NPCC is at the threshold of reforms. While referring to CMD, NPCC's speech he said that he is happy that CMD is trying to generate discipline in NPCC.

With regard to emergence of Public Sectors , he said " it was with great hope that late Pt. Jawaharlal Nehru , first Prime Minister of India laid the foundation of so many institutions of science and technology and corporations like this. But, over a period of time, men and women working there contributed negatively quite a lot and the corporation lost their direction. With special reference to NPCC he said that " I cannot support those people who do not want NPCC to be a vibrant Corporation, to be an institution of hope. I am really dismayed that some people work so negatively that it becomes a situation of great despair". Talking about unionism and India's democratic way of working he said " we are a democracy, we have to keep our doors and windows open to understand the problems. So many letters are received in the ministry and so much of hard work is put in for these unions, I read every word when I write back to the unions". Talking further on this issue he said "I am with the unions when they generate the situation of hope , they cannot always ask to give them , they have to give something to the Nation. I appreciate the measures being initiated to instil discipline . I have consulted people here to remain in the middle, to remain as a person of the ministry with some hope that NPCC will not die away" .Speaking about NPCC's revival, he said "there were proposals that it must be closed down and I must tell you that if I had decided to close it down there was a possibility it would have closed down but some people thought that it can be revived, so I am for revival and I accept the hope generated by the Secretary of MOWR Mrs. Gauri Chatterji and Prof. Basu that this Corporation will run". He urged the people working in NPCC to understand that "apka to roji roti isi se milta hai, jis dukan mein aap samaan ko kam karte jaiyegein wo dukan khatam ho jaiyegi bund ho jaiyegi". So employees working in NPCC should understand that they have to come in time, they have to work, handle machines . Democracy cannot be synonymous with indiscipline. So, if the CMD remains steadfast, sustains the kind of discipline he wants to establish, works dispassionately and

talks to the people who in his opinion are not performing well, there is no reason why it cannot be revived. He said it is a good situation that the Corporation which was in losses for 17 years has earned a profit of over 2 crores but this profit has

to grow.

He congratulate CMD for organizing the Golden Jubilee Celebration and said " let it be a situation of hope of today and of tomorrow, and a time to make a resolution to fight a battle to make this Corporation continue and to promote its health.

He concluded on this point and wished NPCC well, congratulated everyone on this occasion and hoped that it will succeed in its mission to not only revive it but also make it a profit-making Corporation, which will be comparable to success stories of all over India.

निगम बेहतर भविष्य की दहलीज पर खड़ी है

जल संसाधन सचिव श्रीमती गौरी चटर्जी ने निगम की स्वर्ण जयंती के अवसर पर अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए एनपीसीसी परिवार को बधाई दी और कहा कि पचास वर्ष का समय बहुत होता है, जिसमें एनपीसीसी ने कई उतार-चढ़ाव देखें हैं किन्तु, यह हार्दिक प्रसन्नता की बात है कि आज एनपीसीसी बेहतर भविष्य के द्वार पर खड़ी है जहाँ से उसे निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आगे कदम बढ़ाना है। सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में एनपीसीसी की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्रीमती गौरी चटर्जी ने कहा कि पीएसयू होने के नाते एनपीसीसी केवल वित्तीय व्यवहार्यता का ही निर्वहन नहीं करती बल्कि अपने राष्ट्रीय और सामाजिक दायित्व को निभाने में भी शीर्ष पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनपीसीसी की वर्तमान टीम अपने प्रयासों में सभी के सहयोग से अवश्य सफल होगी। इसके लिए उन्होंने अपनी शुभकामनाएं भी व्यक्त की।

Congratulations

National Projects Constructions Corporation has been bestowed with the "Amity Corporate Excellence Award" by Amity International Business School.

This special honour is conferred by the Amity to those Corporations who have excelled in their respective domains and have outshined other companies because of their distinct vision, innovation, competitiveness and sustenance. For this award, about 200 companies were short listed by the panel, consisting of noted academicians and management students. A few key perspectives were: Number of years of existence, Employees' strength, Current Gross Revenue, Market Capitalization, Net Fixed Assets, key Initiatives taken by the Organization, Social Responsibilities and many others.

Our Chairman & Managing Director Shri Arbind Kumar received the Award, during a function held on 22nd February 2007.

Golden Jubilee Auditorium, Vallabhbhai Patel Chest Institute, University of Delhi

The Construction of State of the art Auditorium Building awarded to NPCC By Vallabhbhai Patel Chest Institute on Project Management Consultancy basis has been completed and handed over to the Institute on 31st January, 2007 for a value of Rs. 1107 lacs. The Auditorium Building

अपनी भूल को कबूल कर लेना, खुद को सुधारने की पहली सीढ़ी है।

with a seating capacity of 520 consists of three seminar halls besides the main auditorium hall and guest rooms. This centrally air-conditioned building is fully equipped with Audio, Video and Projection facilities. NPCC was able to achieve high level of finishing by using latest techniques. Use of fiber optics is an additional feature.

NPCC has successfully and timely completed the Project with high level of quality and international standards. Creation of this unique Building has become a landmark in the North Campus of Delhi University and is a pride for the Institute as well as for NPCC. Looking in to the performance & quality of this work, clients are considering NPCC for award of further works of Vallabhbhai Patel Chest Institute.

गणतन्त्र दिवस पर ध्वजारोहण

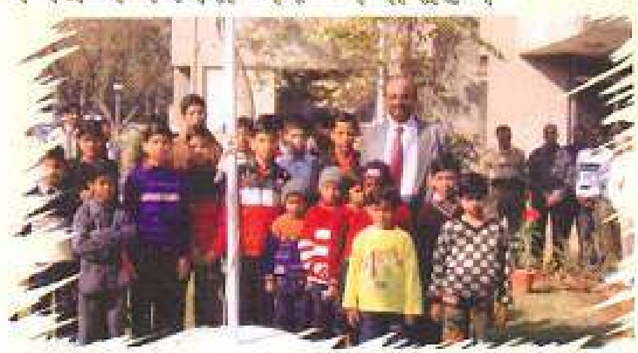

26 जनवरी 2007 को गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय कार्यालय, फरीदाबाद में निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अरविन्द कुमार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया । सीएमडी ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारी निगम इस वर्ष अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती मना रही है । हम सबके लिए खुशी की बात है कि हमारी निगम का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है तथा इसने लाभ अर्जित करना भी प्रारम्भ कर दिया है। यह उपलब्धि हमारे सामूहिक प्रयासों का परिणाम है । इसे प्राप्त करने में आप सभी का योगदान रहा है जिसकी मैं सराहना करता हूँ । आइए गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर हम सब संकल्प लें कि एनपीसीसी को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने के लिए हम सब पूर्ण समर्पण के साथ अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेंगे । इससे हमारी कम्पनी निर्माण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान कायम रख सकेगी तथा भूमंडलीकरण के इस दौर में नए जमाने की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकने में भी सक्षम होगी । वरिष्ठ हिन्दी सहायक श्री सुरेश चन्द शर्मा ने राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत एक स्वरचित कविता का पाठ किया । समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी तथा बच्चे भी शामिल हुए । कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण हुआ ।

हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कृत

केन्द्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 18 जनवरी 2007 को निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अरविन्द कुमार के हाथों पुरस्कृत किया गया । एक सादे समारोह में सीएमडी ने कहा कि हिन्दी प्रतियोगिता में इस वर्ष भागीदारी अच्छी रही है । साथ ही उन्होंने अपील की कि दैनिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक किया जाए ।

उल्लेखनीय है कि 14 से 28 सितम्बर 2006 के बीच आयोजित हिन्दी पखवाड़े के दौरान केन्द्रीय कार्यालय, फरीदाबाद में तीन अलग-अलग प्रतियोगिताऐं क्रमशः शीर्षक लेखन, हिन्दी विचार-अभिव्यक्ति तथा शब्द-अर्थ एवं हिन्दी व्यवहार प्रतियोगिता आयोजित की गई थीं जिसके विजेताओं को इस समारोह में पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी विजय कुमार शर्मा द्वारा किया गया । वरिष्ठ हिन्दी सहायक, सुरेश चन्द शर्मा के काव्य पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

Nothing is particularly hard, if you divide it into pieces - **Henry Ford.**

सीआरपीएफ अधिकारियों ने ली परियोजना की जानकारी

हमारी निगम द्वारा सीआरपीएफ के लिए बनाए जा रहे ऑडीटोरियम ब्लॉक के निर्माण से सम्बन्धित तकनीकी पक्ष की जानकारी वसंत कुंज यूनिट के अधिकारियों द्वारा सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। द्वितीय चरण की इस परियोजना का विस्तृत विवरण ऑडियों विजुयल यंत्रों तथा स्लाइडों की सहायता से दिया गया। इस अवसर पर सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री ज्योति कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिनका स्वागत श्री जे.के. सिन्हा, डीजीएम, एनपीसीसी और उनके अपर महानिदेशक श्री के. कोशी का स्वागत एनसीआर के जोनल मैनेजर वी.बी. शर्मा द्वारा पुष्प-गुच्छ भेंटकर किया गया। उपर्युक्त प्रस्तुतीकरण को सीआरपीएफ के वरिष्ट अधिकारियों ने पूरी तल्लीनता के साथ देखा तथा परियोजना के विभिन्न पहलूओं के विषय में विस्तार से जानकारी ली। महानिदेशक श्री सिन्हा की शंकाओं का समाधान एनपीसीसी के सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा तत्काल कर दिया गया। इनके अलावा सीआरपीएफ के कमांडेंट (वर्क्स) श्री वी.के. सिंह ने भी परियोजना के विषय में जानकारी ली। कहना न होगा एनपीसीसी की वसंत कुंज यूनिट ने सीआरपीएफ द्वारा प्रथम चरण में आवंटित भवन निर्माण कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कर लिया था जिसके फलस्वरूप द्वितीय चरण में ऑडीटोरियम निर्माण का कार्य निगम को दिया गया है। इसके अंतर्गत ऑडिटोरियम ब्लॉक के निर्माण के लिए सिविल निर्माण कार्य के साथ-साथ ऑडियो-विजुअल फिक्शर, लैंड स्केपिंग, फिटिंग्स, बागवानी आदि सम्पूर्ण कार्य शामिल है।

इस परियोजना की संशोधित लागत कुल 13 करोड़ रूपए है तथा इसे दिसम्बर 2007 तक पूरा किया जाना है। फिलहाल एनपीसीसी द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है तथा अन्य संबंधित कार्यों के निष्पादन के लिए निविदाएं मॉंगी जा रही है। उक्त कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में वसंतकुज के यूनिट अधिकारी श्री नीरज गुप्ता एवं वरिष्ठ कार्यकारी अभियन्ता श्री दिलबाग राय मुंशी तथा अन्य कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही।

NPCC Shortlisted for SCOPE Excellence Award

It is a matter of great pride that NPCC has been short-listed along with NBCC by the Standing Conference of Public Enterprises (SCOPE) for Excellence and Outstanding contribution to Public Sector Management Special Institutional Category(Special efforts for turning around). This nomination is special for NPCC as it was a chronically sick organization making losses continuously since last 17 years and has turned around with a profit of Rs. 2.26 Crores against losses of Rs. 71 crores in previous year. Though NPCC could not be finally selected for this award the nomination has definitely inspired it to remain in the race in the coming year.

Performance Highlight

For the financial year 2006-07 up to March, 2007, PMGSY Zone Patna has achieved the highest turnover of Rs.133 crores. North East Zone (Central), Shillong has stood second by achieving the highest turnover of Rs.120 crores.

NPCC has achieved an all-time high order book position of Rs.3620 crores ending April 2007. The works bagged during the year 2006-07 is Rs. 1278 crores. Pre-audited Turnover of Rs.741 crores has been achieved as against Rs 578 hus registering a growth of 30 % and met with the MOU targets for financial year 2006-07.

The works awarded to NPCC from Nov. 2006 to March 2007 are as under.

1. Regional Institute of NERIWALM at Tejpur, Assam
   Rs. 5 Crore.
2. Extension of Hospital building at HQ complex of TTAADC Agartala
   Rs 2 Crore.
3. Administration Building of Vallabhbhai Patel Chest Institute Delhi
   Rs. 10.50 crore.
4. Raising of ash Pond for Vizag Steel Plant
   Rs.12.22 Crore.
5. New Technical Institute Buildings at Jharkhand
   Rs. 50 Crore.
6. Enhancement in Border Fencing works in Assam & Meghalaya
   Rs. 200 Crore.
7. PMGSY Road works in Chattishgarh 2 packages
   Rs. 13.97 crore.
8. Enhancement in PMGSY Road works in 6 Districts of Bihar
   Rs. 70.00 crore.
9. Residential quaters at Patharkhandi in Assam for BSF
   Rs 12 Crore.
10. Civil works for IInd raising of Ash Dyke at Kahalgaon, Bihar
   Rs 5.92 crore.
11. Construction of Smrativan at Bilaspur for Municipal for Municipal Corporation
   Rs 3.19 crore.

<u>Work bagged during April 2007</u>

Village roads in 6 districts of Bihar under Bharat Nirman **Rs 847 crore.**

NPCC Sets Ambitious Targets in MOU Signed With Ministry

NPCC signed a Memorandum of Understanding (MOU) for 2007-08 with the Ministry of Water Resources on 26th March ,2007. The MOU signed between Mrs Gauri Chatterji , Secretary, Ministry of Water Resources and Shri Arbind Kumar , CMD, NPCC sets ambitious targets for 2007-08 towards faster growth of this fifty years old Pioneer Company. The target for securing new business is fixed at Rs. 1800 Crores and the Turnover is fixed at Rs. 912 Crores.

Bharat Nirman Works

A meeting to review the progress of PMGSY works in Bihar was taken by Hon'ble Minister (RD) in March 2007 which was attended by senior officers of the Ministry (RC Division) NRRDA and NPCC (CMD and his team of Officers). During this meeting NPCC was asked to prepare and submit Detailed Project Reports for 2200 Km. roads to be constructed under BHARAT NIRMAN in 6 districts of Bihar namely Bhojpur, Buxar, Nalanda, Nawada, Patna and Rohtas for connectivity of 1103 habitants by Oct. 2007. Estimated cost works out to Rs. 770 crores at an average cost of Rs. 35 lakhs per KM. The total cost put together with agency charges comes to Rs. 847 crores.

Jobat Dam

Jobat Dam Project was renamed as Shaheed Chandra Shekher Azad Sagar Masonary Dam. Jobat Dam work was awarded to NPCC by NVDA (Narmada Valley Development Authority, Bhopal) Distt. Jhabua (MP) on river Hathini in the

year September 1993. The said Work, re-scheduled to be completed by 31.05.2006 due to funds problem with client has been completed on 30.06.2006, barring few finishing works which are on the verge of completion. The Dam is having over flow portion of 8 Blocks with Radial Gates & Bridge over it. Non-over flow portion is having Random Rubble Stone Masonry.

Salient Features of Jobat Dam Project:-

Original Cost of Project (Without Escalation) Rs. 28.19 Crores
Probable amount of completion including Escalation Rs.44.22 Crores (Approx.)
Length of Main Dam (consisting of 13 Blocks). 148.00 M.
Total Height of Dam (RL.224.8 M to RL. 263.60 M 38.60 M)
No. of Gates (Radial) 8 Nos. (15.00 x 12.50 M)
Foundation Depth of Shear Beam 25.00 M. (RL. 205.00 to RL. 230.00 M) 55.00 M. Wide

Special Foundation treatment of Shear Beam 55.00 M wide along river flow through Main Dam & partly effected Stilling Basin have been done by NPCC which is a special feature of the Project. Construction Sluice is not provided in this Project, which is normally essential for construction facilities as well as de-silting purpose. This is a specialty as without diverting river, the closer of Block No.8 (Central portion) of Main Dam have been successfully completed by NPCC.

NPCC Completes Nutan Bazar Bridge In South Tripura.

R.C.C Bridge over River Gumti in South Tripura under NEZ (S) has been completed by SDW Unit.

Shri Badal Chowdhury, Minister of PWD & Finance, Govt. of Tripura inaugurated this bridge in a public meeting on 2nd April 2007. This Bridge shall replace the old wooden bridge, which required continuous maintenance and load restrictions. The Minister appreciated NPCC's role in the development of Tripura and requested NPCC to complete Kalshi Barrage and other two R.C.C bridges at Kawamara and Amlighat by December 2007. Commissioner & Secretary PWD Sri Lokranjan and the other local leaders also addressed the public gathering of about 3000 people. Details of the completed Bridge are as given below.

Length of Bridge:- 76.82 metre
Width:- 8.45 metre
Abutment: - 2 nos
Pier:- 2 nos.
Cost:- 245 lacs.

महत्वपूर्ण होना अच्छा है पर उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है अच्छा होना ।

NPCC in News

Monday, October 23, 2006
Hindustan Times, New Delhi
13
Year after restructuring, NPCC out of the red
NATIONAL PROJECTS Construction Corporation Limited (NPCC) has achieved a turnaround by registering a profit of Rs 2.26 crore in the financial year 2005-06 as against the loss of Rs 71 crore the previous year. This has been achieved within a year of the restructuring of the corporation's board by the Ministry of Water Resources when it appointed a new chairman and managing director Arbind Kumar.
PSU PICK
HT2
THE ECONOMIC TIMES MONDAY 23 APRIL 2007
NPCC Sets Ambitious Targets in MOU Signed with the Ministry
National Projects Construction Corporation a Public Sector Enterprise signed a Memorandum of Understanding for 2007-08 with the Ministry of Water Resources on 26th March, 2007. The MOU signed between Secretary, Ministry of Water Resources, Gauri Chatterji & CMD, NPCC, Arbind Kumar sets ambitious targets for 2007-08 towards faster growth of this 50 years old Pioneer Company. The target for securing new business is fixed at Rs 1800 Crores and the turnover is fixed at Rs 912 crores.
AIMING HIGH
दैनिक जागरण
Engineers to offer online consultancy for construction clients
NPCC brings BPO into public sector
the pioneer
New Delhi
Thursday | April 12 | 2007
A reason to smile
सड़क निर्माण में एनपीसीसी ने दिखायी दिलचस्पी
NATIONAL HERALD
NPCC, Govt sign MoU, set target
Herald News Service
2
Monday, October 30, 2006
Hindustan Times
SHORT TAKES
NPCCL CMD to discuss State's development
Friday, October 6, 2006
NPCC profit at Rs 2.26 crore: National Projects Construction Corporation Limited (NPCC), in its golden jubilee year, has achieved a turnaround by registering profit of Rs 2.26 crore in the financial year 2005-06 as against loss of Rs 71 crore in the previous year
एनपीसीसी की कमान चुनौती के रूप में स्वीकारी

Printed and Published by Shri Vijay Kumar Sharma, Senior Hindi Officer and Mrs. Rekha Ghuman, Deputy Manager (P&A) (Ex- officio Editors) for and on behalf of N.P.C.C. Ltd.Corporate Office, Plot no. 67-68, Sector -25, Faridabad (Haryana) for internal Circulation
Printed by Beyond in Design 4th floor, 29A/1, Desu Road Mehrauli New Delhi - 110030